Shri Bhutanatha Ashtakam

श्रीभूतनाथाष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Bhutanatha Ashtakam

File name : bhUtanAthAShTakam.itx

Category : deities_misc, ayyappa, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : October 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 8, 2022

sanskritdocuments.org

Shri Bhutanatha Ashtakam

श्रीभूतनाथाष्टकम्

पञ्चाक्षरप्रिय विरिञ्चादिपूजित परज्योतिरूपभगवन्
पञ्चाद्रिवास शिखिपिञ्छावतंस जयवाञ्छानुकूलवरद ।
पञ्चास्यवाह मणिकाञ्ची गुणाञ्छित सुमञ्जीर मञ्जुलपद
पञ्चास्त्रकोटिरुचिरञ्जीकृताङ्ग सुरसञ्जीवनप्रद विभो ॥ १॥

लीलावतार मणिमालाकलाप शरशूलायुधोज्ज्वलकर
शैलाग्रवास मृगलीलामदालस कलाधीश चारुवदन ।
हालास्यनाथ पदलोलस्यपाण्ड्यनरपालस्य बालवरद
श्रीलास्यदेवतरुमूलाधिवास जगदालम्बपासयविभो ॥ २॥

नृत्ताभिमोद निजभक्तानुमोद विलसत्तार केशवदन
सत्तापसार्चित समस्तान्तरस्थित विशुद्धात्मबोधजनक ।
चित्ताभिरम्य जगदोद्धारशक्तिधर शार्दूलदुग्धहरण
मुग्धाङ्गराग मणियुक्तप्रभारमण नित्यं नमोऽस्तु भगवन् ॥ ३॥

वेतालभूतगणनाथा विनोदसुरगीताभिमानचरिता
पातालनाकवसुधाधार पाण्ड्यसुत चेतोविमोहनकर ।
वेदागमादिनुतपादादिकेश जगदाधार भूतशरण
वीतामयात्मसुखबोधा विभूतिधर नाथा नमोऽस्तुभगवन् ॥ ४॥

मन्दारकुन्दकुरुविन्दारविन्द सुमवृन्दादिहार सुषम
वृन्दारकेन्द्रमुनिवृन्दाभिवन्द्यपदः वन्दारुचिन्तितकर ।
कन्दर्प सुन्दरसुगन्धानुलेप भवसन्तापशान्तिदविभो
सन्तानदायक परन्धाम पाहिसुरबन्धो हरीशतनय ॥ ५॥

धाराधराभ मणिहारावलीवलय हीराङ्गदातिरुचिर
धीरावतंस घनसारादि भूतपरिवाराभिरम्यचरित ।
घोरारिमर्दन सदारामनर्तन विहार त्रिलोक शरण
ताराधिनाथमुख माराभिराम जय वीरासनस्थितविभो ॥ ६॥

ज्ञानाभिगम्य सुरगानाभिरम्य भवदीनावनैक निपुण
ज्ञानस्वरूप परमानन्दचिन्मय जगन्नाथ भूतशरण ।
नानामृगेन्द्रमृगयानन्द पाण्ड्यहृदयानन्दनन्दन विभो
सूनायुधाञ्चितसमानाङ्ग पाहिसुरसेनासमूहभरण ॥ ७॥

वेदान्तसार विबुधाद्धार वेत्रधर पादारविन्द शरणं
भूताधिनाथ पुरुहूतादि पूजित किरातावतार शरणम् ।
आधारभूत रिपुबाधाविमोचन सुराधारनाथ शरणं
नादान्तरङ्ग गुरुनाथानतार्त्तिहर गीताभिमोद शरणम् ॥ ८॥

इति श्रीभूतनाथाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

Shri Bhutanatha Ashtakam

pdf was typeset on October 8, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*